AKHIL BHARTIYA PRAJAPATI (KUMBHKAR) MAHASANGH (REGD)
(Regd.No.S/67804/Delhi)
अखिल भारतीय प्रजापति (कुंभकार) महासंघ (रजि.)

Regd. Office
IX/5232,Subhash Mohalla, ,
Gandhi Nagar,Delhi-110031

Head Office
A/12,4th floor,Malad Yojna CHS Ltd
SV Road, Malad (West),Mumbai-400064
Mob. (+91) 9930477730
Web. : www.abpkmahasangh.net
E/Mail : abpkmahasangh.2009@gmail.com
Whats App No.9969640819

RBK Prajapati	CA Manoj Prajapat	Bherulal Prajapati
National President	National Chief General Secretary	National Treasurer
9930477730	8269048009	9892545805

समीक्षा बैठक

दिनांक 3 सितम्बर 2023 को मीरा रोड (ठाणे) मुंबई में संपन्न समीक्षा बैठक के वृतांत

महासंघ की कार्यप्रणाली , उपलब्धियां एवं प्रदेशों की प्रगति के बारे में समीक्षा करने के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री आर बी के प्रजापति** की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई I बैठक के कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय मुख्य महा सचिव **श्री मनोज प्रजापत सी ए** द्वारा किया गया I बैठक में संपन्न विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं लिये गये निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार से है I

1. दीप प्रज्वलन कार्यक्रम :

कार्यक्रम की शुरुवात करते हुये **श्री मनोज प्रजापत** जी के आवाहन पर बैठक में उपस्थित वरिष्ठ सदस्यों एवं पधाधिकारियों दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया और कार्यक्रम का शुभारंभ श्री मीठालाल प्रजापति द्वारा गायत्री मंत्रोचार के साथ किया गया I

2. **दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि**:

श्री मनोज प्रजापत जी के अनुरोध पर उज्जैन बैठक के बाद दिवंगत सभी आत्माओं एवं पूर्व राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती शीला प्रजापति के पति स्व. श्री ओमप्रकाशजी के प्रति सभी सदस्यों ने मौन होकर श्रद्धांजलि अर्पित की I

3. **महासंघ कार्यालय : मुंबई एवं दिल्ली** :

- सभी सदस्यों सर्वसम्मति से मुंबई एवं दिल्ली में कार्यालय हेतु प्रस्तावना को
- **श्री मनोज प्रजापत** जी ने सूचित किया कि मुंबई में जो फ्लैट 62 सदस्यों के आर्थिक सहयोग से लिया गया है उन सभी सदस्यों नें इस फ्लैट को **“ प्रजापति सेवा सदन”** के नाम से एक ट्रस्ट बनाने का निर्णय लिया है I इस ट्रस्ट को “**सोसाइटी रजिट्रेशन एक्ट 1860** “ के अंतर्गत पंजीकृत किया जायेगा और सभी 62 सदस्य इसके ट्रस्टी होंगे I इन सभी सदस्यों का इस फ्लैट पर स्वामित्व का अधिकार उनके द्वारा दिया गए आर्थिक सहयोग के अनुपात में होगा I जो सदस्य अपना उत्ताधिकारी नियुक्त करना चाहते हैं वे अपनी वसीयत नियमों के अनुसार पंजीकृत करा के दे सकते हैं I

- इसके पूर्व इन सभी सदस्यों ने इस फ्लैट को महासंघ के मुख्य कार्यालय हेतु क़ानूनी रूप से "लीव एंड लाईसेंस" (Leave & License Agreement) के आधार पर बिना स्वामित्व परिवर्तन के कार्यालय उपयोग के लिये दिया है I इस एग्रीमेंट के अनुसार फ्लैट की मरम्मत के अलावा सभी खर्च जैसे दैनिक साफ सफाई , बिजली का बिल , गैस बिल आदि का वहन महासंघ द्वारा वहां किया जाता है I
- भविष्य में हाउसिंग सोसाइटी द्वारा कार्यालय के संचालन का विरोध हो सकता है इसके लिये कुछ सदस्यों ने इस फ्लैट के बदले व्यापारिक प्परिसर लेने की सलाह दी लेकिन उसमें समय की पाबन्दी जैसे नियमों के कारण होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुये इस विषय पर चर्चा एवं उचित सलाह की जिम्मेदारी श्री राजेंद्र कुमावत , राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष को दी गई I
- इसके अलावा कुछ सदस्यों ने महासंघ द्वारा विभिन्न जगहों पर छात्रावास , अस्पताल एवं स्कूल आदि के निर्माण में दी जाने वाली आर्थिक सहायता के बारे में स्थिति स्पष्ट करने को कहा I **श्री मनोज प्रजापत** जी ने कहा कि वैसे तो इस बारे में कोई विशिष्ट नियम नहीं हैं और यह आर्थिक सहायता कल्याणकारी योजना के अंतर्गत दी जाती है I
- **राष्ट्रीय अध्यक्ष** जी ने कहा कि बाहर से हमारे बहुत से सदस्य विभिन्न कार्यों से मुंबई आते है और होटल आदि का खर्च उठाने में असमर्थ हैं तो ऐसे सदस्यों के लिये इस फ्लैट में ठहराने की सुविधा बहुत ही उपयोगी है अतः इस विषय पर निर्णय लेते समय इस बात का भी ध्यान रखने की आवश्यकता है I इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि महासंघ के नाम से कहीं भी जगह लेने से भविष्य में बहुत सी जटिलतायें एवं उलझने उत्पन्न हो सकती हैं इसलिए कहीं भी महासंघ के नाम पर जगह लेना व्योहारिक नहीं है I उन्होंने सुझाव दिया कि मुंबई की तरह दिल्ली में भी सक्षम पदाधिकारियों द्वारा जगह खरीदकर महासंघ को कार्यालय हेतु दी जा सकती है I

4. विचारमंथन , सुझाव एवं परिचर्चा :

श्री मनोज प्रजापत जी के आवाहन पर निम्न सदस्यों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे I

1) **श्री नन्दलाल प्रजापति** , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सुझाव दिया कि जिन प्रदेशों में विधान सभा के चुनाव होने वाले हैं वहां पर हमारे समाज को उस राजनैतिक दल को सपोर्ट करना चाहिए जो हमें ज्यादा से ज्यादा टिकट दे I
2) **श्री मनोज प्रजापत जी** ने सुझाव दिया कि प्रदेशों में प्रदेश अध्यक्षों द्वारा जिला एवं तहेसील स्तर पर प्रेस वार्ता आयोजित करके राजनैतिक दलों को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि अगर उन्हें हमारे समाज का सपोर्ट चाहिए तो उन्हें हमारे समाज के लोगों को चुनावों में प्राथमिकता देनी होगी I
3) **श्री गोविंदभाई प्रजापति** (पूर्व एम एल ए गुजरात)ने कहा कि हमें प्रदेशों में अपने समाज की मौजूदगी के आधार पर राजनैतिक दलों से टिकट की मांग करनी चाहिये I
4) **राष्ट्रीय अध्यक्ष** ने कहा कि हमारी शक्ति का आंकलन हमे साथ जुड़े हुये सदस्यों द्वारा की जाती है अतः हमें पहिले अपनी सदस्य संख्या बढ़ानी होगी I आज जगह जगह हमारे समाज के लोगों के साथ दुर्व्योहार किया जा रहा है और प्रशासन के पास कोई सुनवाई नहीं होती है I इसलिए हमें हरहाल में अपनी शक्ति को बढ़ाना होगा I
5) **श्री भवरलाल पॉटर** , प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान , ने कहा कि हमारे देश में समाज की 6-7 करोड़ संख्या के सामने हम अभी तक 8 हज़ार सदस्य ही बना पाए हैं इसलिए हमें नए सदस्य बनाने की प्रक्रिया को तेज करना होगा I उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक प्रदेश के लिये नए सदस्य बनाने ला लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए और समय समय पर इसकी समीक्षा करनी चाहिये I
6) **श्री छगन चक्रवर्ती (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष**)जी ने सुझाव दिया कि ज्यादा सदस्य बनाने के लिये सदस्यता शुल्क में कमी करनी चाहिये I इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिला एवं तहेसिल स्तर पर भी समितियों का गठन करना चाहिये और समाज की स्थानीय जनसंख्या के आधार पर सदस्यता अभियान चलाना चहिये I

7) **श्री लूनचंद सिनावाडिया** , राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ,ने कहा कि हमे समाज के सभी लोगों को प्रजापति उपनाम का उपयोग करना चाहिये जिससे हमारे समाज की वास्तविक संख्या का आकलन किया जा सके I उन्होंने आगे कहा कि हमें हमारे बच्चों की शिक्षा की तरफ ज्यादा ध्यान देना चाहिए और प्रत्येक प्रदेश में छात्रावास निर्माण के लिये सहयोग करना चाहिए I

8) **श्री सतीश कुंकलेकर** , प्रदेश अध्यक्ष गोवा , ने कहा कि महासंघ का समूह देश में किसी भी सामाजिक संगठन से बेहतर है I उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सभी सदस्यों द्वारा प्रजापति उपनाम का उपयोग करना एक कठिन और अव्योहारिक कार्य है लेकिन हम सभी लोग दिल से एक हैं और इस अनुभूति के साथ हम एक दुसरे से जुड़े हुये हैं I हम सभी लोग दिल से एक हैं और इस अनुभूति के साथ हमें अपनी एकता और आपसी भाईचारा बढ़ाना होगा I हमें बैठक में आने वाले सदस्यों के प्रति किसी तरह का विरोध नहीं दिखाना चाहिये I

9) **श्री महेंद्र कुमार मावर , राष्ट्रीय सचिव** ,ने बताया कि उन्हे पिछले 15 वर्षों में सिर्फ दो बार बोलने का मौका मिला है I उन्होंने प्रबंधन समिति से आग्रह किया की इस बारे में विचार करें और भविष्य में ऐसी व्यवस्था करें कि सभी को अपनी बात रखने का मौका मिल सके I

10) इस बारे में स्पष्टीकरण देते हुये **श्री भेरुलाल प्रजापति , राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष** ने बताया कि हर एक बैठक के पूर्व बोलने वाले सदस्यों की सूची तैयार कर संचालक को दी जाती है लेकिन अक्सर मंच पर आमंत्रित सदस्य अपने साथ नए लोगों को लेकर आ जाते हैं और उनको बोलने के लिये मौका देने का आग्रह करते हैं I इसकी वजह से पहिले से तय बहुत से सदस्यों को बोलने का मौका नहीं मिलता है I उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि मंच पर नए सदस्यों को न बुलाएँ I उन्होंने सुझाव दिया कि इस बारें में एक नियम बनना चहिये I

5. सदस्यता अभियान :

1) महासंघ में सदस्य संख्या बल के बारे में प्रश्न उठाते हुये सदस्यों ने सुझाव दिया कि हमें इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि देश में प्रजापति समाज की कुल आबादी की तुलना में हमारी सदस्य संख्या बहुत कम है I

2) **श्री गलीराम कुंभार (प्रजापति)** , प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक प्रदेश को नये सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित होना चाहिये और अगली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में इन लक्ष्यों के प्राप्ति की समीक्षा होनी चाहिये I

3) **श्री बी पी प्रजापति (रीवा मध्य प्रदेश)** ने कहा कि आजीवन सदस्यता शुल्क 1200/- केंद्र के पास जाता है I उन्होंने मांग की आजीवन सदस्यता शुल्क का कुछ हिस्सा राज्यों को भी मिलना चाहिये जिससे राज्य की गतिविधियों के आयोजन में कुछ मदत मिल सके I उन्होंने सुझाव दिया कि सदस्यों का स्तर एवं शुल्क केंद्रीय सदस्य – रु 1000/- , प्रादेशिक सदस्य रु 500/-, जिला स्तर सदस्य रु 200/- एवं तहेसील स्तर सदस्य रु 100/- होना चाहिए और यह शुल्क संबंधित राष्ट्रीय कार्य कारिणी के पास रहना चाहिये I

4) **श्री छगन लाल चक्रवर्ती (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)** : ने कहा कि हमरे सदस्यों की संख्या कैसे बढे इस पर सभी को विचार करना चहिये I उन्होंने सुझाव दिया कि हमें प्रदेश ,जिला एवं तहेसील स्तर पर समितियों का गठन करना चहियेऔर सदस्यता अभियान चलाकर नए सदस्य जोड़ने चहिये I

5) **श्री लूनचंद सिनावाडिया , राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष,** ने सुझाव दिया कि हमें एक लाटरी सिस्टम चालू करना चाहिये जिसमें प्रतिमाह एक चुने हुये सदस्य को रु 1500 /- वापस करना चहिये I इससे अन्य लोग प्रभावित होकर नई सदस्यता ग्रहण करेंगे क्योंकि कुछ दिनों बाद उनका सदस्यता शुल्क बढ़कर वापस मिलाने वाला है I उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे सदस्य संख्या बढ़ाने में मदत मिलेगी I

6) **श्री राजस्थान व्यक्ति :** उन्होंने सुझाव दिया कि हमें पहिले अपने रिश्तेदारों को सदस्य बनाना चहिये और फिर उनसे अपने रिश्तेदारों को सदस्य बनाने के लिये कहना चाहिए i इससे सदस्य संख्या बढ़ाने में मदत मिलेगी I

7) **श्री महेंद्र कुमार मावर , राष्ट्रीय सचिव,** ने कहा कि महासंघ की एक पस्पर संवादी **(Interactive)** वेब साईट होनी चाहिये जिससे आन लाइन नये सदस्य बनाने , सदस्यता प्रमाणपत्र जारी करने और उससे संबंधित अन्य बहुत से कार्य आसानी से किये जा सकते हैं I इससे नये सदस्य बनाने में भी मदत मिलेगी I

उन्होंने आगे कहा कि हम सबको अपने परिवार के लोगों को आजीवन सदस्य बनाना चहिये I उन्होंने सुझाव दिया कि नये आजीवन सदस्य जोड़ने के कार्य की आन लाइन हर तीन महीने में समीक्षा होनी चाहिये I उन्होंने सूचित किया कि "आन लाइन कुम्हार डायरेक्टरी" से अपनी वेब साईट को जोड़ दिया है और महासंघ की वेब साईट में उपलब्ध सदस्यों का विवरण इसमें देखा जा सकता है I

8) **श्री विशाल वर्मा , राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष,** ने बताया कि वह शीघ्र ही एक **टोल फ्री न**. जारी करेंगे I इसके माध्यम से नए सदस्य जोड़ने में मदत मिलेगी I इसमे **"मिस कॉल"** की व्यवस्था रहेगी जिसमें मिस कॉल आते ही उस सदस्य की पूरी जानकारी हमें मिल जायेगी और हम उस व्यक्ति को संपर्क करके सदस्य बनने के लिये प्रेरित कर सकते हैं I अगर वह सदस्य नहीं बनता है तो उसे "**समर्थक**" की श्रेणी में रखकर अपनी सदस्य संख्या को बढाकर बता सकते हैं I

9) **श्री मनोज प्रजापत**, राष्ट्रीय मुख्य महा सचिव ,ने वेब साईट के बारे में बताया कि महासंघ की एक पस्पर संवादी **(Interactive)** वेब साईट बनाने के बारे में चर्चा चल रही है और शीघ्र ही इस बारे में निर्णय लिया जायेगा I उन्होंने आगे कहा कि वेब साईट बनाने का कार्य मुंबई की किसी फर्म को देने पर विचार चल रहा है जिससे की उसकी देखभाल में आसानी रहे I

श्री मनोज प्रजापत जी ने उपर्युक्त चर्चा का सारांश प्रस्तुत करते हुये निम्न बातें कही I

1. हमारे संविधान की **धारा 6 (c)** के अनुसार महासंघ के जमीनी स्तर पर विस्तार के लिये संबंधित प्रदेश की कार्यकारिणी समिति द्वारा निर्धारित सदस्यता शुल्क के भुगतान के बाद प्रदेश, जिला एवं तहेसील स्तर पर "साधारण सदस्य" बनाये जज सकते हैं I इन सदस्यतों से प्राप्त शुल्क संबंधित कार्यकारिणी समितियां अपने स्तर पर प्रोग्राम आयोजित कर सकते हैं I इस कार्य में केंद्र का कोई दखल नहीं होगा किंतु ऐसे सदस्यों की सूची केंद्र को भेजना आवश्यक होगा i इस सदस्यता शुल्क का लेखाजोखा रखने की जिम्मेदारी संबंधित कार्यकारिणी समिति की होगी I
2. **श्री मनोज प्रजापत** जी ने कहा कि हमें अपनी शक्ति को पहचानना होगा और नये सदस्य बनाने के कार्य को गंभीरता से लेना होगा I उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में 360 सदस्य हैं और प्रत्येक सदस्य को 100 सदस्य बनाना चहिये I
3. **श्री मनोज प्रजापत** जी ने सबकी सहमति से अगले 4 महीने के लिये **प्रदेश अध्यक्ष** को 100 , **जिला अध्यक्ष** को 50 और **तहेसील अध्यक्ष** को 25 सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुये लक्ष्यों के प्राप्ति की समीक्षा अगली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में करने की बात कही I

6. प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष (विंग) एवं विभिन्न समितियों की उपलब्धियों की समीक्षा:

1) **श्री दत्ताजी कुंभार , राष्ट्रीय चेयरमैन मिटटी के बर्तन एवं मूर्तियों , ईंट भट्टा एवं ग्रामीण विकास मामलों की समिति** :

श्री दत्ताजी कुंभार ने बताया की भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में संचालित **"कुम्हार सशक्तिकरण योजना (KSY)"** और "**खादी एवं ग्राम उद्योग कमीशन (KVIC)** " के सम्मिलित प्रयास से पॉटरी उद्योग से जुड़े हुये लोगों को "विद्युत पॉटरी चक्र " का वितरण एवं प्रशिक्षण दिया जाता है I ये विद्युत चक्र कुल लागत राशि के 10% भुगतान पर वितरित किये जाते हैं I इसके अलावा संबंधित लोगों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे उनके उद्पादों की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी हो सके I

उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न प्रदेशों में लगभग 8500 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चूका है I उन्होंने आशा व्यक्त की सभी प्रदेशों में पॉटरी व्यवसाय से जुड़े लोगों को महासंघ के बैनर के अन्तर्गत इकठ्ठा होकर संयुक्त रूप से अपनी जरुरत के हिसाब से आवेदन करना चाहिये I

श्री दत्ताजी कुंभार जी ने आगे बताया कि शीघ्र ही भारत सरकार " **पी एम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना-2023** " की शुरुवात करने जा रही है I यह योजना देश के उन 30 लाख कामगारों के लिये होगी जो लगभग 18 परंपरागत दस्तकारी का कार्य करते हैं जिसमे बढई , लोहार , स्वर्णकार , मोची , कुम्हार आदि शामिल हैं I इस योजना का मुख्य उद्देश्य इस परम्परागत कारीगरों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उनके हुनर को आधुनिक और कुशल बनाना है I इस योजना में 5% की ब्याज दर पर 2 लाख का क़र्ज़ दिया जायेगा I इसके अलवा इन कामगारों को स्वयं का व्यसाय स्थापित करने में भी मदत दी जायेगी I

श्री दत्ताजी ने सुझाव दिया कि दिनांक 25 जून 2023 को उज्जैन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान KVIC के पूर्व अधिकारी श्री एस पी मिश्रा द्वारा मिटटी के बर्तनों के बारे में दी गई प्रस्तुति के बारे में ध्यान देना चाहिए क्योंकि श्री एस. पी. मिश्रा जी ने इस विषय पर गहन शोध किया है I

2) **श्री नागनाथ कुंभार , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,** ने कहा कि वह इस बैठक में शामिल होकर बहुत खुश हूँ I उन्होंने कहा कि मैं अपने काम को समाज की भलाई के लिये आगे भी करता रहूँगा I उन्होंने बैठक में बुलाने के लिये आयोजकों का आभार व्यक्त किया I

3) **श्री तेजसिंह बगेनिया , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , : श्री मनोज प्रजापत जी** ने बताया कि श्री तेजसिंह बगेनिया जी ने वर्ष 2011 में भरतपुर (राजस्थान) में राष्ट्रीय कार्य कारिणी समिति की बैठक आयोजित की थी Iउन्होंने बताया कि उनके द्वारा भरतपुर में एक छात्रावास का निर्माण कार्य किया जा रहा है और इसकी छत का कार्य बाकी है i उन्होंने महासंघ से इस कार्य के लिये आर्थिक सहयोग करने का अनुरोध किया I

4) **श्री मनहर भाई प्रजापति ,प्रदेश अध्यक्ष गुजरात :** श्री मनहर भाई प्रजापति जी ने कहा कि मुझे इस बात की ख़ुशी है कि बैठक में सर्वसम्मति से दिल्ली में महासंघ का कार्यालय का प्रस्ताव पारित हुआ है , यह एक अच्छा निर्णय है I श्री मनहर भाई प्रजापति जी ने अगली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक गुजरात में आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की I **श्री मनोज प्रजापत जी** ने ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने पर जोर दिया I

5) **श्री सोमाभाई प्रजापति ,राष्ट्रीय संरक्षक :** मुझे समीक्षा बैठक में बुलाकर आयोजकों ने जो सम्मान दिया है उसके लिये मैं उनका ह्रदय से आभारी हूँ I अल्पावधि की सूचना के वावजूद मैं यहाँ उपस्थित होकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ I मैं महासंघ के सतत विकास की कामना करता हूँ I मैं दिल्ली में महासंघ के कार्यालय के लिये शुभेक्षा व्यक्त करता हूँ I

6) **श्री मांगीलाल रेडवाल, प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश :** श्री मांगीलाल रेडवाल जी मध्य प्रदेश में महासंघ की प्रगति रिपोर्ट सौंपते हुये कहा कि प्रदेश के कुल 56 जिलों में से 51 जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है और तहेसील स्तर पर कार्यकारिणी समितियों के गठन का कार्य प्रगति पर है I इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा नये सदस्य बनाये जा रहे हैं I जिला स्तर पर प्रतिभाशाली लड़के और लड़कियों को शिक्षा एवं खेलकूद में आगे बढ़ने के लिये मदत दी जा रही है I कई जगहों पर हमारे सदस्यों द्वारा महासंघ के नाम पर जमीन श्री मनोज प्रजापत जी ने बताया कि ओमकारेश्वर , जो कि एक धार्मिक पर्यटन स्थल है , में जगह लेकर उसमें धर्मशाला का निर्माण कार्य चल रहा है I

7) **श्री गुलाबराम वी उटेलिया , प्रदेश अध्यक्ष कर्नाटक :** श्री गुलाबराम वी उटेलिया जी ने बताया कि हमलोग शीघ्र ही 15-20 नए सदस्य बनाने का कार्य करेंगे I उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक कर्नाटक में काफी समय से प्रतीक्षित है I उन्होंने आग्रह किया कि अगली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक कर्नाटक में आयोजित होनी चाहिए I उन्होंने कहा कि अगली बैठक तक हमारी सदस्य संख्या 1000 तक पहुँच जाएगी **Iश्री**

भूपेन्द्रभाई ने कहा कि कर्नाटक के मूल निवासियों को , जिनमे बहुत से लोग महासंघ के पूर्व पदाधिकारी भी हैं , स्थानीय समितियों के अलावा महासंघ से जुड़ने के लिये प्रेरित करने की आवश्यकता है I

8) **एड. श्रीमती मनीषा एम शेतकर , राष्ट्रीय युवा महिला अध्यक्ष :** श्रीमती मनीषा एम शेतकर ने वर बधू परिचय सम्मलेन के दौरान अपनाई जाने वाली टोकन पद्धति के बारे में नाराजगी जाहिर की I उन्होंने कहा कि युवा लड़के एवं लड़कियों इस पद्धति से खुश नहीं हैं इस वजह से युवा लड़के एवं लड़कियां महासंघ से जुड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं I उन्होंने इस बारे में विचार करने का आग्रह किया I
उन्होंने श्री गुलाबराम उटेलिया द्वारा व्यक्त कर्नाटक में नये सदस्य बनाने में होने वाली समस्या के बारे में बताया कि कर्नाटक के बहुत से लोगों से उनके अच्छे संबंध हैं और इस बारे में सहायता करने का आश्वासन दिया I

9) **श्री सिल्वेनु शंकर प्रजापति** (प्रदेश युवा अध्यक्ष तेलंगाना): श्री मनोज प्रजापत जी ने बताया कि श्री सिल्वेनु शंकर प्रजापति तेलंगाना प्रदेश के एक बहुत ही ऊर्जावान एवं समर्पित युवा कार्यकर्ता हैं I श्री सिल्वेनु शंकर प्रजापति जी ने बताया कि अपने प्रजापति समाज के अलावा हमें अन्य समाज के लोगों को भी साथ में लेना चाहिए क्योंकि हम सिर्फ अपने समाज की बदौलत राजनैतिक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सकते हैं I
उन्होंने कहा कि हमने तेलंगाना प्रदेश में पॉटरी पेशे से जुड़े हुये लोगों को 200 बिजली पॉटरी चक्र का वितरण कराया है I उसने आगे बताया कि तेलंगाना प्रदेश के एक बहुत ही प्रतिष्ठित कवि , जिसको लोगों ने भुला दिया है , को हम लोगों ने उत्सव मनाने का कार्य क्रम शुरू किया है I उसने आगे कहा कि प्रदेश में कोई भी नियुक्ति या गतिविधि प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से होनी चाहिये I कई बार प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष की जानकारी के बिना सीधी नियुक्ति केंद्र द्वारा कर दी जाती है I ऐसे लोग प्रदेश अध्यक्ष को विश्वास में न लेते हुये स्वतंत्र रूप से अपनी गतिविधियाँ संचालित करते हैं I यह परंपरा अनुशाषन के हिसाब से उचित नहीं है I **श्री मनोज प्रजापत जी** ने स्पष्ट किया कि कभी कभी केंद्र को प्रदेश के अंदर संतुलनकारी तरीका अपनाना पड़ता है और यह सिर्फ एक संगठनात्मक रणनीति का एक हिस्सा है और इसे अन्यथा लेने की आवश्यकता नहीं है I

10) **श्री एम शिवानंद प्रजापति , प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना :** श्री एम शिवानंद प्रजापति जी ने बताया कि श्री इटिकला वीरैया , राष्ट्रीय महामंत्री , ने एक वैवाहिक वेब साईट लांच की है और उसमें प्रदेश अध्यक्ष को कोई जानकारी दिये वह अन्य समुदाय के लोगों से पैसे लेकर उसमें रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं I उन्होंने आगे कहा कि हमें समाज के पिछड़े हुये लोगों की तरफ ज्यादा ध्यान देना चाहिये I

11) **श्री एस . सच्चिदानंद कुंभार , प्रदेश युवा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ :** श्री एस . सच्चिदानंद कुंभार ने कहा कि माटी कला बोर्ड की कार्यशैली में परिवर्तन होना चाहिए I बोर्ड को प्रदेश अध्यक्ष से सलाह मशविरा काना चहिये I माटी कला बोर्ड को राज्य सरकारों और संबंधित विभागों से संपर्क करना चाहिए और समाज की की भलाई के कार्य करना चाहिए I उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में अगली कार्यकारिणी की बैठक होने तक 500 नए सदस्य बनाये जायेंगे I

12) **श्रीमती कैलाश प्रजापति , राष्ट्रीय मुख्य महासचिव , महिला विंग :** श्रीमती कैलाश प्रजापति जी ने बैठक में शामिल होकर ख़ुशी जाहिर की I उन्होंने कहा कि बैठक का आयोजन बहुत ही शानदार तरीके से किया गया है I उन्होंने कहा कि कोटा (राजस्थान) में लड़कियों के लिये छात्रावास निर्माण कार्य चल रहा है I इसकी छत का काम बाकी है जिसके लिये आर्थिक सहयोग का आग्रह किया I

13) **श्री सतीश वी कुंकलेकर प्रदेश अध्यक्ष गोवा :** श्री सतीश वी कुंकलेकर जी ने सदस्यों का आवाहन करते हुये कहा कि आप लोग कुछ समय समाज के लिये अवश्य निकालें I उन्होंने बताया कि गोवा राज्य में "प्रजापति भवन" का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जायेगा I **श्री लूनचंद्र सिनावाडिया** जी ने गोवा के " **प्रजापति भवन**" के लिये रु 11000/- का आर्थिक सहयोग करने की घोषणा की I श्री सतीश वी कुंकलेकर जी ने श्री लूनचंद्र सिनावाडिया का हार्दिक धन्यवाद दिया I

14) **श्री भवरलाल पॉटर , प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान** : श्री भवरलाल पॉटर जी ने राजस्थान प्रदेश की प्रगति के बारे में चर्चा करते हुये कि जोधपुर जिले के सभी 127 संभागों में अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है i राज्य में कुल 1200 सदस्य बनाये जा चुके हैं i उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी की बैठकों में जो निर्णय लिये जाते हैं उनके अनुपालन के बारे में समीक्षा होनी चाहिये I उन्होंने आगे कहा कि नई वेब साईट का कार्य अविलंब पूरा होना चाहिए I इसके बाद श्री पॉटर जी ने कहा कि सदस्यों की जो हैण्ड बुक बन रही है उसकी डिजाईन के बारे में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है I

15) **श्री मीठालाल प्रजापति ,राष्ट्रीय महामंत्री :** श्री मीठालाल प्रजापति जी ने प्रश्न किया कि हम बैठकों में शामिल होते हैं और चर्चा करते हैं लेकिन बैठकों में लिये गए निर्णयों के अनुपालन के बारे में कोई रिपोर्ट जारी नहीं की जाती हैं i इसके अलावा बैठकों में हम जो चर्चा करते हैं उसका कोई रिकॉर्ड होता है कि नहीं I हम मांग करते हैं कि अभी तक जो बैठकें आयोजित हुई हैं उनमें लिये गए निर्णयों के अनुपालन के बारे रिपोर्ट प्रस्तुत होनी चाहिये I

इस प्रश्न के जवाब में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि सभी बैठकों के वृतांत मीटिंग के दौरान रिकॉर्ड किया जाते हैं और उन्हें लिखित रूप में अगली बैठक सभी सदस्यों को वितरित किया जाता है I इसके बाद बिंदुवार इन वृतांत को पढ़ा जाता है और सदस्यों की सहमति से इन वृतांतों को अनुमोदित कराया जाता है I

16) **एड श्री दीप प्रजापति** : **श्री मनोज प्रजापत जी** ने बताया कि श्री दीप प्रजापति जी महासंघ के विरुद्ध दिल्ली में चल रहे मुकदमें में महासंघ की तरफ से केस की पैरवी कर रहे हैं I इस मौके पर **श्री भेरुलाल जी** ने बताया कि इस केस की पैरवी करने वाले पूर्व अधिवक्ता श्री जगन्नाथजी की तुलना में श्री दीपचंद जी फैसला होने तक पूरे केस की सिर्फ रु 60 हज़ार में पैरवी कर रहे हैं I श्री दीप प्रजापति जी ने बताया कि मैं दिल्ली एवं देश के अन्य शहरों में में विभिन्न अदालतों में प्रैक्टिस करता हूँ और मेरी पत्नी भी दिल्ली में ही वकील है I उन्होंने कहा कि मैं महासंघ की इस छोटी से सेवा के लिये अपने आपको गौरवान्वित महसूस करता हूँ I उन्होंने कहा कि अपने समाज का कोई भी व्यक्ति मुझसे किसी भी तरह की फ्री क़ानूनी सलाह ले सकता है I मैं शाम 6 बजे से 8 बजे तक मोबाइल में उलब्ध रहूँगा और मेरा मोबाइल न. 9891163048 है I

17) **श्री एम डी प्रजापति CA,राष्ट्रीय चेयरमैन , फाइनेंस एंड बैंकिंग मामलों की समिति**:
श्री एम डी प्रजापति मुंबई में एक बहुत ही अनुभवी एवं प्रथिष्ठित चार्टेड एकाउंटेंट हैं I श्री मनो प्रजापत जी बताया कि श्री एम डी प्रजापति जी महासंघ के अकाउंट का ऑडिट करते हैं और इसके लिये वह किसी तरह की फ़ीस नहीं लेते हैं I यह महासंघ के लिये गौरव की बात है I श्री एम डी प्रजापति जी ने कहा कि वह इसी तरह से महासंघ की सेवा करते रहेंगे I

18) **श्री निशिकांत प्रजापति (अशोक):** श्री निशिकांत प्रजापति जी ने सुझाव दिया कि महासंघ को "**समन्वय समिति**" एवं "**प्रचार समिति**" नाम की दो समितियों का गठन करना चाहिये I इस समय देश के अनेक भागों में प्रजापति समाज की भिन्न भिन्न नामों से संचालित समितियां कार्य कर रही हैं I समन्वय समिति इन संगठनों से चर्चा करके उनके एकीकरण की संभावना का पता लगाये I

इसी तरह प्रचार समिति देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचकर महासंघ के बारे में प्रचार एवं प्रसार का कार्य करेगी I उन्होंने आगे बताया कि इस समिति का आवागमन एवं अन्य व्यय का वहन महासंघ द्वारा किया जाना चाहिये I

19) **श्री मनोज प्रजापत, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव ,द्वारा संक्षेपण** : श्री मनोज प्रजापत जी ने बैठक के अंत में विभिन्न सदस्यों द्वारा व्यक्त विचारों एवं निर्णयों को संछेपित करते हुये निम्न रूप में संकलित किया I

1. इस समय राष्ट्रीय कार्य कारिणी समिति में 360 सदस्य शामिल हैं लेकिन उनमे से ज्यादातर सदस्यों ने महासंघ द्वारा निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं किया है I इनमे (1) लगातारर 3 बैठकों में शामिल होना (2) कम से कम 10 नये सदस्य बनाना और (3) रु 1000/- के हिसाब प्रतिवर्ष आर्थिक योगदान देना शामिल हैं I इस विषय में यह निर्णय लिया गया है कि कोई भी सदस्य उपर्युक्त तीनों शर्तों को पूरा करने वाला सदस्य ही राष्ट्रीय कार्य कारिणी का सदस्य रह सकता है I इन तीनों शर्तों पूरा न कर पाने वाले सदस्य की जगह अन्य सदस्य की नियुक्ति की जायेगी I
2. अगली राष्ट्रीय कार्य कारिणी समिति की बैठक में निर्धारित किये गये नये सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा करके सदस्यों की सूची के साथ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी I
3. अगली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पूर्व में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठकों के वृतांत ,अनुपालन रिपोर्ट के साथ, सभी सदस्यों को वितरित किये जायेंगे I
4. नए सदस्यों को जोड़ने की मुहीम को गति प्रदान करने के लिये लाटरी सिस्टम की शुरुवात की जायेगी I
5. महासंघ की नई वेब साईट लांच की जायेगी I
6. अनुशासनात्मक मामलों के निपटारे के लिये संविधान की **धारा 28(2)(2) (a) (i)** के अंतर्गत 5 सदस्यों की एक "**राष्ट्रीय अनुशासन समिति** " का गठन किया जायेगा जिसका निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय मुख्य महासचिव द्वारा , संबंधित नियमावली के साथ , शीघ्र ही सूचित की जायेगी I यह समिति संविधान में अनुच्छेद **28(2)(2) (b)** में निहित प्रावधानों के अनुरूप कार्य करेगी I

20) **राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा समापन भाषण** : बैठक के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर बी के प्रजापति जी ने बैठक के समापन की घोषणा की I उन्होंने कहा कि इतने अल्प समय की सूचना पर सभी लोग बैठक में शामिल होकर बैठक को सफल बनाने में अपना योगदान दिया इसके लिये मैं सभी सम्माननीय सदस्यों एवं पदाधिकारियों का ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ i उन्होंने सभी से भविष्य में इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा रखते हुये, बैठक की समाप्ति की घोषणा की I

21) **श्री हरीश कुमावत, प्रदेश मुख्य महासचिव मुंबई** : श्री हरीश कुमावत जी ने मुंबई प्रदेश की तरफ से बैठक में शामिल हुये सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की भविष्य में भी इसी तरह का सय्योग मिलता रहेगा I

अंत में श्री दयालचंद जी दुहारिया , राष्ट्रीय महा मंत्री , के द्वारा प्रस्तुत राष्ट्र गीत के साथ बैठक का समापन हुआ I

स्थान: मुंबई
दिनांक : 25 सितम्बर 2023

(सी ए मनोज प्रजापत)
(राष्ट्रीय मुख्य महासचिव)